प्रतिबिंब ऐप

चर्चा में क्यों?

झारखंड के DGP अनुराग गुप्ता की पहल पर विकसित झारखंड पुलिस का **प्रतिबिंब ऐप** देश में [साइबर अपराधियों](#) से निपटने के लिये देश में एक सशक्त साधन बन गया है।

- हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के दौरान झारखंड सहित सभी IPS अधिकारियों को साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु **प्रतिबिंब ऐप** के प्रयोग का प्रशिक्षण दिया गया।

मुख्य बिंदु

- **ऐप के बारे में:**
  - **प्रतिबिंब ऐप** एक विशेष GIS-आधारित सॉफ्टवेयर उपकरण है, जिसे [अपराध अन्वेषण विभाग](#) (CID) ने **भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C)** और **गृह मंत्रालय** के सहयोग से विकसित किया है।
  - इसका उद्देश्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों को साइबर अपराधियों का पता लगाने, उनका मानचित्रण करने तथा धोखाधड़ी और अन्य डिजिटल अपराधों में संलिप्त अपराधियों को गिरफ्तार करने में सहायता करना है।
    - इस ऐप को **नवंबर 2023** में झारखंड के राँची में **संयुक्त साइबर अपराध समन्वय टीमों (JCCT)-II** की पहली क्षेत्रीय बैठक के दौरान लॉन्च किया गया।
  - यह **"समन्वय" प्लेटफॉर्म** के माध्यम से कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच **डेटा साझाकरण और विश्लेषण** की सुविधा प्रदान करता है।
- **विशेषताएँ:**
  - **वास्तविक समय आपराधिक मानचित्रण:** प्रतिबिंब साइबर अपराधों से जुड़े मोबाइल नंबरों को GIS मानचित्र पर प्रदर्शित करता है, जिससे झारखंड और भारत में उनके भौगोलिक स्थानों का पता चलता है।
  - **डाटाबेस एकीकरण:** यह अपराधियों द्वारा उपयोग किये जाने वाले **सिम कार्ड, मोबाइल फोन** और धोखाधड़ी वाले खातों के डेटा को संकलित तथा विश्लेषण करता है, जिससे पुलिस को अपराधियों का शीघ्र पता लगाने में सहायता मिलती है।
  - **हेल्पलाइन एकीकरण:** यह ऐप [राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन (1930)](#) से एकीकृत है, जिससे जनता को धोखाधड़ी की रिपोर्ट करने में मदद मिलती है और अधिकारियों को शीघ्रता से प्रतिक्रिया देने में सहायता मिलती है।
  - **शैक्षणिक सहयोग:** झारखंड पुलिस ने उन्नत प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और ज्ञान समर्थन के लिये प्रमुख संस्थानों (IIM राँची, BIT-मेसरा, XLRI जमशेदपुर, NIT जमशेदपुर) के साथ साझेदारी की है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pratibimb-app